धोती कुर्ता बाणा देखया गुरु मुरारी लाल का लिरिक्स

धोती कुर्ता बाणा देखया,
प्यार तं लखांणा देखया,
मंद मंद मुस्काणा देखया,
उस गुरु मुरारी लाल का।bd।

रुप लगै स चांद तं प्यारा,
माथे मोर मुकुट सजारहया,
बैठ हरि गुण गाणा देखया,
प्यार तं लखांणा देखया,
मंद मंद मुस्काणा देखया,
उस गुरु मुरारी लाल का।bd।

सबके मन की आप जाण ले,
दुध और पाणी ने आप छ्राण ले,
घणा गजब का सयाणा देखया,
प्यार तं लखांणा देखया,
मंद मंद मुस्काणा देखया,
उस गुरु मुरारी लाल का।bd।

तेरे चेहरे प तेज निराला,
गल फुलां की सोहणी माला,
होके का गुड़गाणा देखया,
प्यार तं लखांणा देखया,
मंद मंद मुस्काणा देखया,
उस गुरु मुरारी लाल का।bd।

रोहित शर्मा के हाथ मणि हो,
सचिन दहिया प मेहर घणी हो,
कौशिक जी का गाणा देखया,
प्यार तं लखांणा देखया,
मंद मंद मुस्काणा देखया,
उस गुरु मुरारी लाल का।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

धोती कुर्ता बाणा देखया,
प्यार तं लखांणा देखया,
मंद मंद मुस्काणा देखया,
उस गुरु मुरारी लाल का।bd।

गायक – नरेंद्र कौशिक जी।
प्रेषक – राकेश कुमार जी।
खरक जाटान(रोहतक)
9992976579

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com